



Rajbhawan Uttarakhand-Information Wing

Governor Greets People on International Yoga Day

Raj Bhawan, Dehradun, 20th June, 2017

Uttarakhand Governor Dr.K.K.Paul has greeted the people of the state on the occasion of International Yoga Day (June 21). In his message on the eve of the International Yoga Day, he said that Yoga was an integral part of India's culture and civilization and the entire world had now recognized its scientific basis. He said that the fact that 177 out of 190 countries of the UN agreed on observing June 21 as International Yoga Day was testimony to the value given to Yoga.

The Governor said that this rich heritage of India had been recognized internationally due to the efforts of prime minister Narendra Modi."This is a great achievement for Indians".

He said Yoga was not a religious activity. Rather, it was a complete science and art of living-a wellness system that encompassed physical, mental and spiritual health. It helped develop patience, self control and tolerance, bringing in strength of character.

The Governor said Yoga could give us positive energy to deal with the mental and physical stress facing people in this era of technology and hectic lifestyles.

He said International Yoga Day was a golden opportunity as far as developing Uttarakhand as a global Yoga Hub was concerned. He said Uttarakhand had all the resources to become a world leader in Yoga.

He called upon people to make Yoga a part of their lives and lead healthy lives. He said efforts should be made to attract the whole world to Yoga.

-----0-----

राजभवन सूचना परिसर, उत्तराखण्ड

'21 जून -अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस' पर राज्यपाल का बधाई और शुभकामना संदेश

राजभवन देहरादून 20 जून, 2017

उत्तराखण्ड के राज्यपाल डा० कृष्ण कांत पाल ने 'अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस' की पूर्व संध्या पर अपने संदेश में उत्तराखण्ड के सभी नागरिकों को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

राज्यपाल ने कहा कि 'योग' भारतीय सभ्यता, संस्कृति तथा जीवन शैली का अभिन्न अंग है जिसकी वैज्ञानिकता आज पूरा विश्व स्वीकार चुका है। भारत की पहल पर, राष्ट्रसंघ के 190 देशों में से 177 देशों के समर्थन के बाद राष्ट्रसंघ द्वारा 21जून को 'अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस' के रूप में मनाये जाने का ऐतिहासिक निर्णय इस बात को प्रमाणित करता है।

भारत के ऋषि मुनियों के गहन अध्ययन और शोध से भारत को मिली इस अमूल्य धरोहर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्थक प्रयासों से इसे अन्तर्राष्ट्रीय मान्यता मिलना भारतवासियों के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है।

'योग' एक प्रायोगिक विज्ञान है कोई धार्मिक क्रिया नहीं। 'योग' शारीरिक एवं वैचारिक शुद्धता का सबसे सशक्त माध्यम और स्वस्थ जीवन जीने की बेहतरीन कला है। 'योग' एक पूर्ण चिकित्सा पद्धति है। 'योग' से आने वाला चारित्रिक अनुशासन मानसिक भटकाव से बचाने में मदद करता है। इसके अभ्यास से संयम, धैर्य और सहिष्णुता जैसे मानवीय गुणों का विकास होता है।

विज्ञान और तकनीकी के इस युग में इंसान कई तरह के मानसिक और शारीरिक दवाबों के बीच जीने को विवश है ऐसे में योग ही एक ऐसा विशुद्ध और निर्विवादित उपाय है जो सकारात्मक ऊर्जा का संचार करके सहज जीवन जीने की शक्ति प्रदान करता है।

उत्तराखण्ड की धरती ऋषि-मुनियों की तपस्थली तथा योग का उद्गम स्थली रही है। उत्तराखण्ड को 'विश्व यौगिक केन्द्र' के रूप में स्थापित करने के लिए 'अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस' एक सुनहरा अवसर है। प्राकृतिक सौंदर्य और संपदा के अपार संसाधनों से संपन्न उत्तराखण्ड में 'विश्व यौगिक केन्द्र' के रूप में पूरी दुनिया का नेतृत्व करने की सारी विशेषतायें और क्षमताएं हैं।

'योग' जीवन जीने की सर्वश्रेष्ठ शैली है। आइए! आज इस अवसर पर, योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाकर स्वस्थ जीवन जीने की पहल करें और पूरे विश्व को इससे जोड़ने का प्रयास करें।"

.....0.....